# Dainik Bhaskar

## 19-02-2020

वैष्णव यूनिवर्सिटी में एप्पल ऑथराइज्ड ट्रेनिंग सेंटर फॉर एजुकेशन के उदघाटन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला बोले

# दुनिया के हर सेक्टर में भारतीय नेतृत्व करते मिलेंगे, हमारी बौद्धिक कुशलता पूरा विश्व देख रहा है



सिटी रिपोर्टर. इंदौर

'दुनियाभर में मोबाइल फोन का सबसे ज्यादा इस्तेमाल करने वाला देश भारत है। इसने हमारे सोचने, काम करने के तरीके, बल्कि पूरी जीवनशैली बदल दी है। आज आप दुनिया के किसी भी हिस्से में चले जाएं, वहां भारत का आईटी इंजीनियर आईटी सेक्टर का नेतृत्व कर रहा है। यह भारत की बौद्धिक कुशलता का ही परिणाम है। मैं लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर लोकसभा का मैं नेतृत्व करता हूं। भारत के संसदीय लोकतंत्र को और मजबूत बनाने के लिए हम प्रयास कर रहे हैं। सरकार की नीतियां जनभावना के अनुरूप हो इसके लिए भी संसद प्रयास कर रही है। यूनिवर्सिटी के आप सभी छात्रों को मैं संसद में आमंत्रित करता हूं ताकि आप लोग भी देखें कि लोकतंत्र का मंदिर कैसे काम करता है।'

वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में मंगलवार को एप्पल ऑथराइज्ड ट्रेनिंग सेंटर फॉर एजुकेशन के इनॉग्रेशन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने व सांसद शंकर लालवानी ने सेंटर का इनॉग्रेशन किया। कुलपति उपिंदर धर ने बताया कि एप्पल लैब मौजूदा एफिलिएटेड पाठ्यक्रम में एप्पल अधिकृत पाठ्यक्रम सामग्री शामिल करेगा और रजिस्टर्ड स्टूडेंट्स को सर्टिफिकेट देगा।

Share

---

**शुभारंभ** वैष्णव विद्यापीठ में लोस अध्यक्ष ने एपल लैब का उद्घाटन किया

# देश में 25% युवा ही उच्च शिक्षित, इसका दायरा बढ़ाने की जरूरत : बिड़ला

IAmIndore • इंदौर

मो.नं. 9993777268

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि देश में 25 फीसदी युवा ही उच्च शिक्षा प्राप्त हैं, इस दायरे को और बढ़ाने की जरूरत है। सामाजिक सरोकार से हर घर हर व्यक्ति तक शिक्षा को पहुंचाना है। भारत दुनिया में ऐसा देश है, जहां हर वर्ग मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहा है। इसका उपयोग करके तकनीकी ज्ञान हासिल कर कौशल विकास करना है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2024 तक हर गांव में डिजिटल क्रांति लाना है, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। बिड़ला यहां मंगलवार को वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में एपल लैब के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत की प्रौद्योगिकी का विश्व में डंका है। दुनिया के किसी भी कोने में चले जाएं, भारत का आईआईटी इंजीनियर देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है। रक्षा क्षेत्र में भी हम तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं। बिड़ला ने कहा कि सरकार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करे, इसके लिए संसद प्रयासरत है। सरकार की नीतियां जनभावनाओं के अनुरूप हों और सरकार जनभावना के अनुसार काम करे, इसके लिए भी संसद विशेष रूप से भूमिका निभा रही है।

### लोकतंत्र में नागरिकों का विकास बढ़ा

देश के लोकतंत्र में नागरिकों का विश्वास बढ़ रहा है, क्योंकि हर बार मतदान का औसत बढ़ा है। उन्होंने कहा हमारे देश में अलग-अलग धर्म, बोली, भाषा, विचार के लोग हैं लेकिन सबका एक ही मत है कि हमारा लोकतंत्र और अधिक मजबूत हो, इसलिए कानून बनाने का काम भी संसद में होता है। विश्व में भी भारत का संसदीय लोकतंत्र सबसे अधिक मजबूत है। भारत के लोकतंत्र की विश्व में विशिष्टता और प्रासंगिकता है।

प्रजातंत्र
Newspaper for the Opinion Makers

समारोह • वैष्णव विश्वविद्यालय के एप्पल लैब उद्घाटन कार्यक्रम में बोले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

# टेक्नोलॉजी से ही संभव है नए भारत का निर्माण

इस तरह की अत्याधुनिक लैब तैयार की है।

लैब के उद्घाटन कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सांसद शंकर लालवानी व अन्य।

**नगर संवाददाता** | इंदौर

भारत में 25 प्रतिशत नौजवान ही उच्च शिक्षा ग्रहण कर पाते हैं। हम चाहते हैं कि शत प्रतिशत युवा उच्च और तकनीकी शिक्षा हासिल करें। नई प्रौद्योगिकी के साथ नए भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ें। दूर-दराज के गांवों में भी अपने ज्ञान-कौशल का उजाला फैलाएं। मंगलवार को वैष्णव विश्वविद्यालय में एप्पल अथॉराइज्ड लैब के उद्घाटन समारोह में यह बात लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कही।

बिरला ने कहा कि जहां शिक्षा होती है, वहां लोकतंत्र मजबूत होता है। जहां लोकतंत्र मजबूत होगा, वहां समाज का विकास होगा। मतदान के बढ़ते प्रतिशत से पता चलता है कि देश में लोकतंत्र के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ा है। मैं लोकतंत्र के जिस मंदिर में अध्यक्ष हूं, वहां दलगत-भावनाएं व वैचारिक विभिन्नताएं भले हों लेकिन सभी सदस्य लोकतंत्र की मजबूती के लिए एकमत हैं। संसद कानून तो बनाती ही है। सांसद शंकर लालवानी ने वैष्णव ट्रस्ट और उसके शिक्षा व सामाजिक सरोकार से जुड़े कामों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के ऐसे कामों से ट्रस्ट में लोगों का भरोसा बढ़ता है।

उल्लेखनीय है कि ग्वालियर और जबलपुर के बाद इंदौर में पहली एप्पल की अथॉराइज्ड लैब वैष्णव विद्यालय में शुरू हुई है। 40 सिस्टम के साथ शुरू हुई यह लैब फैकल्टी और स्टूडेंट्स को एप्पल की एडवांस टेक्नोलॉजी की ट्रेनिंग और ग्लोबल सर्टिफिकेशन उपलब्ध कराएगी। ताकि टेक्नोलॉजी के दौर में इंदौर के स्टूडेंट्स को ग्लोबल प्लेटफार्म मिल सके। लैब में एप्पल की एडवांस टेक्नोलॉजी में ट्रेनिंग-सर्टिफिकेशन मिलेगा।

श्रीवैष्णव विद्यापीठ में बोले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला

# कई दल, बोलियां, धर्म के बावजूद सभी इस पर एकमत- मजबूत हो लोकतंत्र

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

**इंदौर** भारत 1952 से चुनाव की प्रक्रिया में है। यह हमारा लोकतंत्र के प्रति भरोसा दिखाता है। भारत में अलग-अलग बोली, भाषा, विचारधारा, धर्म, दल हैं, लेकिन सब एकमत हैं कि हमारा लोकतंत्र मजबूत हो। हम संसदीय लोकतंत्र को और मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं।

मंगलवार को सांवेर रोड स्थित श्रीवैष्णव विद्यापीठ विवि में एपल आर्थोराइज्ड ट्रेनिंग सेंटर फॉर एजुकेशन के उद्घाटन समारोह में शिरकत करने पहुंचे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने यह बात कही। श्री वैष्णव परमार्थिक ट्रस्ट से जुड़े सदस्यों व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा, भारत में सबसे ज्यादा मोबाइल उपयोगकर्ता हैं। इसका उपयोग कर हम तकनीकी ज्ञान अर्जन करते हुए कौशल बढ़ा सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 2024 तक हर गांव में डिजिटल क्रांति पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। विश्व का कोई भी देश जो तकनीक में अग्रणी हो, वहां भी भारत का नौजवान ही नेतृत्व करता नजर आएगा। उन्होंने सेवा कार्यों के साथ शिक्षण क्षेत्र में योगदान देने के लिए वैष्णव ट्रस्ट के प्रयासों की सराहना की। बिरला ने ट्रस्ट की स्मारिका और विद्यापीठ की व्याख्यान श्रृंखला के संग्रहण अंक का विमोचन भी किया।

### विद्यार्थियों को दिया संसद आने का बुलावा

बिरला ने विद्यार्थियों से कहा, आप दिल्ली आकर संसद देखें। इसकी जिम्मेदारी मंच पर बैठे सांसद शंकर लालवानी को सौंपी। कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पसारी ने वैष्णव ट्रस्ट के शिक्षा व समाजहित कार्यों की जानकारी दी। कुलपति उपिंदर धर ने कोर्स की जानकारी दी।

## बिल पारित होने पर सरकार बनाती है कानून : बिरला

**इंदौर।** नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) पर संसद के अंदर चर्चा और संवाद हो चुका है। मत विभाजन भी हो चुका है। विधेयक पर सहमति-असहमति होना अलग बात है, लेकिन यह हमारे लोकतंत्र की विशेषता है कि बहुमत से जो बिल पारित हो जाता है, सरकार उस पर कानून बनाने का काम करती है। यह बात लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने मंगलवार को इंदौर में पत्रकारों से चर्चा में कही। सीएए पर छिड़े विवाद के बीच मप्र सरकार द्वारा एनपीआर लागू नहीं करने की घोषणा पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि सदनों को अपने-अपने बिल पारित करने का अधिकार होता है। कई कानून केंद्र की सूची में कई राज्य की सूची में और कई केंद्र और राज्य की सूची में होते हैं। मंगलवार शाम बिरला ने सांवेर रोड स्थित श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में एपल आर्थोराइज्ड ट्रेनिंग सेंटर फॉर एजुकेशन का औपचारिक उद्घाटन किया। उन्होंने श्री वैष्णव पारमार्थिक ट्रस्ट की स्मारिका और विद्यापीठ की व्याख्यान श्रृंखला के संग्रहण अंक का विमोचन भी किया। इस मौके पर वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के छात्रों को स्पीकर ने संसद भवन देखने आने का न्योता भी दे दिया। छात्रों व शिक्षकों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि भारत तकनीकी कुशलता का प्रमुख केंद्र बन चुका है। विश्व का कोई भी देश जो तकनीक में अग्रणी हो, वहां भी भारत का नौजवान ही नेतृत्व करता नजर आएगा। सेवा कार्यों के साथ शिक्षण क्षेत्र में योगदान देने के लिए स्पीकर ने वैष्णव ट्रस्ट की सराहना की। विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पसारी और कुलपति उपेंद्र धर ने वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय व पारमार्थिक न्यास के सेवा कार्यों की जानकारी दी। कुलपति उपेंद्र धर ने कहा कि एपल लैब से कंप्यूटर व सॉफ्टवेयर इंजीनियर की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। एपल कंपनी के शिक्षक आकर यहां हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण भी देंगे।